you are the source of all wisdom

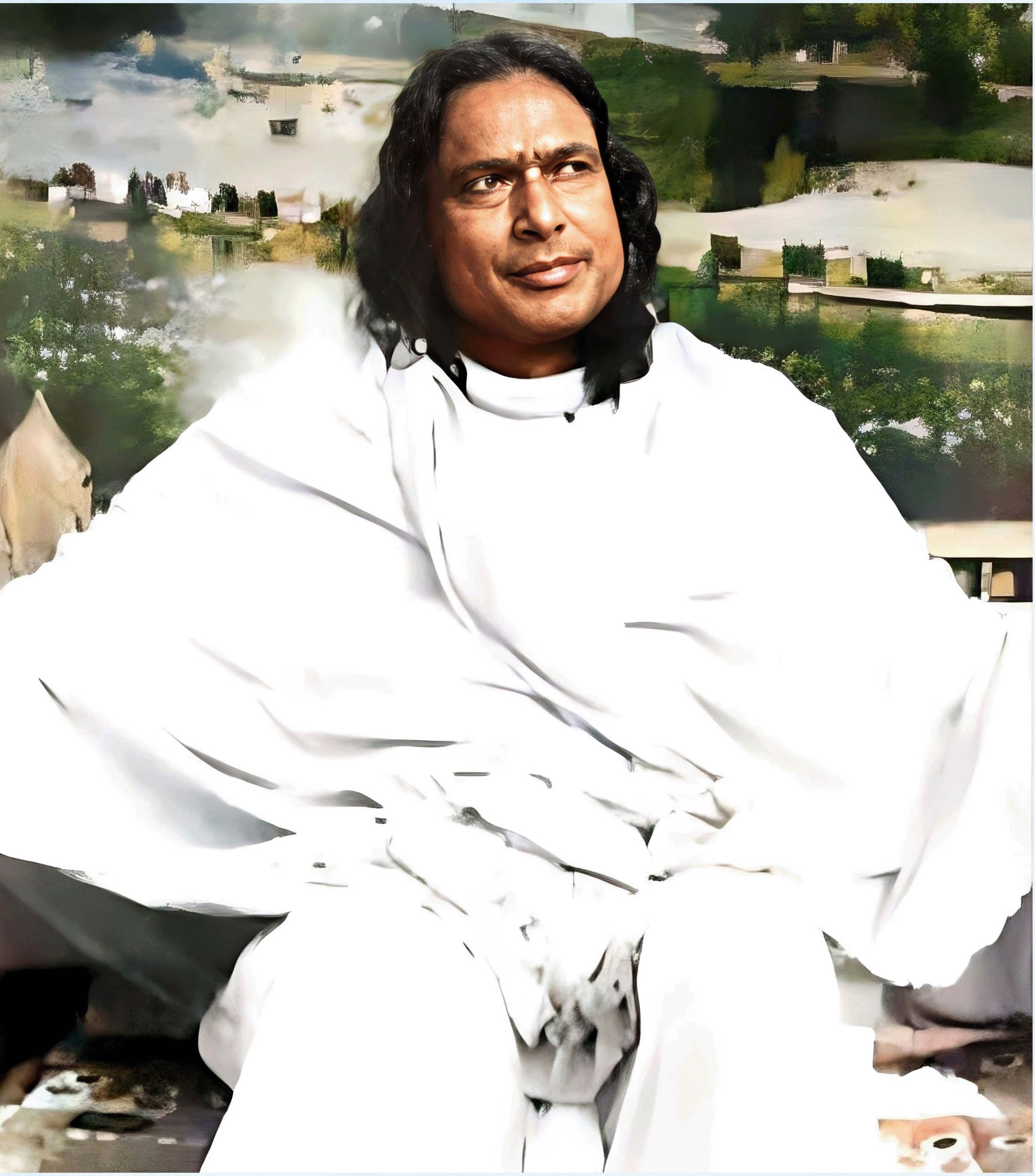

If you weren't in my life I would have lost

14 जनवरी 1957 को काशी विद्वत्परिषत् के महामहोपाध्याय श्री गिरिधर शर्मा द्वारा
जगद्गुरूत्तम की उपाधि ग्रहण करते हुए श्री कृपालु जी महाराज।

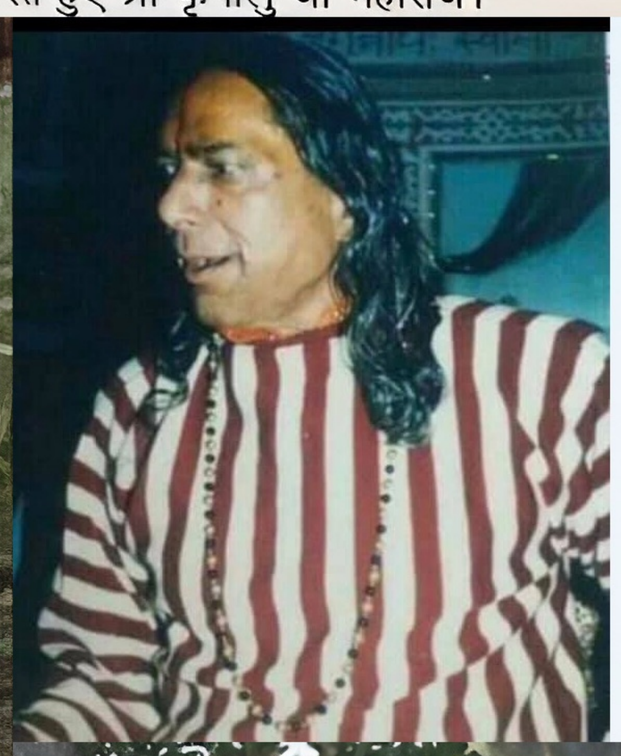

राधे

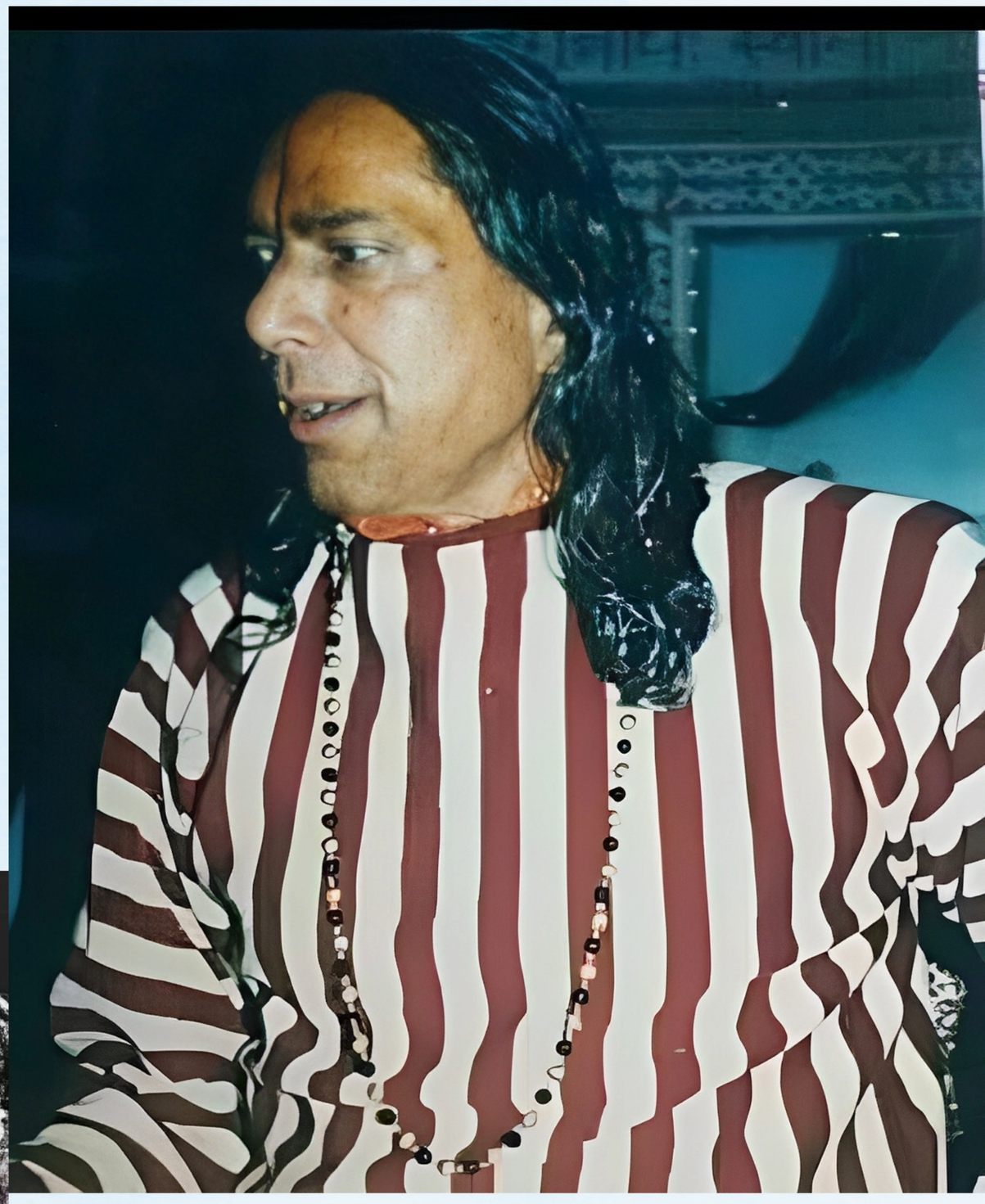

हम अपराध करते अघाते नही
आप कृपा करते अघाते नही

you are the source of all energy

मेरे कल्याण के लिए आपके परिश्रमों की थाह नहीं है